मुख्यमंत्री ने व्यापार मेले का किया शुभारंभ

▸ उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड पर शाम को शुभारंभ

भोपाल, 15 फरवरी. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रविवार देर शाम उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेला-2026 का शुभारंभ उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड पर दीप प्रज्वलन कर किया. उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सम्राट विक्रमादित्य की नगरी अवंतिका विकास के नए कीर्तिमान बना रही है.

व्यापार ,व्यवसाय में बाबा श्री महाकाल की नगरी तेजी से प्रगति कर रही है. डॉ यादव ने कहा कि विक्रम व्यापार मेले का आयोजन तीसरी बार किया जा रहा है. व्यापार मेले से जिले और आसपास के क्षेत्र में आर्थिक प्रगति हुई है. व्यापार मेला वर्ष 2024 में 23,705 वाहनों की बिक्री पर लगभग 122 करोड़ की छूट और वर्ष 2025 में 36,225 वाहनों की विक्री पर 187 करोड़ रुपए की छूट प्रदान की गई थी. इस वर्ष नगर निगम को अभी तक 4 करोड़ 10 लाख रुपये की आय हो गई है. इस वर्ष विक्रम व्यापार मेले में फोर व्हीलर के 139 स्टाल, टू व्हीलर के 36 स्टाल,कार डेकोरेशन, सांची पार्लर सहित अन्य उपयोगी सामग्रियों के स्टाल लगाए गए हैं. डॉ. यादव ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा श्री महाकाल की भक्ति का सैलाब आया हुआ है. यहां 30 मिनट में ही बाबा के दर्शन कर श्रद्धालु प्रसन्नता और संतोष के साथ वापस जा रहे हैं.

राज्य सरकार यही व्यवस्था स्थापित करना चाहती थी. उज्जैन में पहली बार श्री महाकाल वन मेला भी आयोजित किया गया है, जहां वन उत्पाद, वैद्यों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है.

महाकाल मंदिर में की पूजा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सपत्नीक महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान श्री महाकाल के दर्शन किए. उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की. डॉ. यादव ने मंदिर में दर्शन पूजन में सहभागिता की और श्री महाकाल बाबा का आशीर्वाद लिया.

> मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन ने सदियों से धर्म, ज्ञान, विज्ञान और संस्कृति की ज्योति प्रज्वलित की है। विरासत से विकास के इस प्रतीक के रूप मे ही उज्जैन में विक्रमोत्सव का सांस्कृतिक महापर्व आयोजित किया जा रहा है। डॉ. यादव ने महाशिवरात्रि की बधाई दी और रविवार को उज्जैन में विक्रमोत्सव-2026 का शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री ने सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए एक लाख रुपए का सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्टीय अलंकरण सम्मान स्थापित करने की घोषणा की। कहा कि यह देश का सबसे प्रतिष्ठित अलंकरण भारत की सांस्कृतिक गरिमा को विश्व मंच पर नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा।

बजट सत्र में कांग्रेस उठाएगी जनता से जुड़े जरूरी मुद्दे

▸ आज शाम होगी कांग्रेस विधायक दल की बैठक

▸ सरकार को घेरने की बनेगी रणनीति

भोपाल, 15 फरवरी. मध्यप्रदेश विधानसभा के सोमवार से प्रारंभ हो रहे बजट सत्र के दौरान विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों ने जनहित से जुड़े मुद्दों के साथ ही ज्वलंत समस्याएं उठाने की तैयारी की है.

पार्टी सूत्रों के अनुसार सत्र के दौरान इंदौर का भागीरथपुरा दूषित जल कांड, कैबिनेट मंत्री विजय शाह से जुड़ा प्रकरण, किसानों की खाद और बीज से संबंधित समस्याएं, राज्य सरकार पर भारी ऋण, कानून व्यवस्था और अन्य ज्वलंत मुद्दे उठाए जाएंगे. इस दौरान भोपाल में गौमांस पकड़े जाने, छात्रवृत्ति और पेंशन से जुड़ी समस्याएं और ज्वलंत समस्याएं उठायी जाएंगी. सूत्रों ने बताया कि सोमवार शाम को कांग्रेस विधायक दल की बैठक नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के निवास पर आयोजित की गई है. इसमें वरिष्ठ नेता अजय सिंह, जयवर्धन सिंह, हेमंत कटारे, कमलेश्वर पटेल समेत सभी पार्टी विधायक शामिल होंगे. बैठक में सत्र के दौरान पार्टी की ओर से उठाए जाने वाले मुद्दों को लेकर अंतिम रणनीति पर भी विचार होगा.

ज्यादा शराब पीने से युवा किसान की मौत

बेगमगंज. शनिवार रात करीब 12 बजे नगर में भोपाल रोड स्थित शराब दुकान के पास एक शव मिलने से सनसनी फैल गई. रात में ही मृतक की शिनाख्त ग्राम बसिया निवासी 45 वर्षीय किसान अमित खरे के रूप में हो जाने पर उनके परिजनों को सूचना दी.

In The Court Of I Civil Judge Class-II , District Court, Sehore

Presiding Officer: श्रीमती हितैशी भदोरिया

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCS A/0000188/2022)

मिट्ठूलाल मालवीय ....वादी

VS

विनोद माथुर......................प्रतिवादी

प्रेषिति-

भगवानदास पिता केसाराम पता- सिंधी धर्मशाला के पास बैरागढ़ जिला भोपाल

हरीश पिता मूलचंद पता- सिंधी धर्मशाला के पास बैरागढ़ जिला भोपाल

यह कि प्रार्थी मिट्ठूलाल मालवीय पिता गोविन्द निवासी ग्राम पचामा तहसील व जिला सीहोर ने आपके विरुद्ध वाद वास्ते के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात/हाजिर होने के लिए सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 30 जनवरी 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जाएगा।

न्यायाधीश
श्रीमती हितैशी भदौरिया
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड
सीहोर जिला सीहोर म.प्र.

बेगमगंज के किसान ने उन्नत तकनीक से बदली तकदीर

बेगमगंज, 15 फरवरी, बेगमगंज विकासखंड के ग्राम भुरेरू के किसान ओमप्रकाश कुशवाह ने पारंपरिक खेती से हटकर उद्यानिकी फसल को अपनाया और कम समय में अधिक मुनाफा कमाकर क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने हैं।

प्रगतिशील किसान ओमप्रकाश कुशवाह ने उद्यानिकी विभाग की योजना का लाभ लेकर डेढ़ एकड़ जमीन में टमाटर की खेती की और लाभ अर्जित किया. जिसमें उन्नत किस्म के बीज, मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई तकनीक का उपयोग किया. टमाटर की खेती से ओमप्रकाश कुशवाह को लगभग चार से पांच लाख रू का लाभ हुआ.

किसान ओमप्रकाश कुशवाह ने बताया कि पहले वह गेहूं, सोयाबीन जैसी पारम्परिक फसलों की खेती करते थे, जिसमें दस से 15 क्विटंल प्रति एकड़ का ही उत्पादन होता था.

भारत की जीत का राजधानी में मना जश्न

भोपाल. भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है. टूर्नामेंट के इतिहास में यह भारत की पाकिस्तान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है. इसी खुशी में बीजेपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया. इसी के साथ सेवा संकल्प युवा संगठन ने भी शिव बारात के दौरान ही जीत का जश्न मनाया.

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

सिलवानी. महाशिवरात्रि पर नगर में आस्था और भक्ति का संगम देखने को मिला. रविवार को सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं. 'ओम नम: शिवाय' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा. महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर के गांधी आश्रम, लोक निर्माण विभाग, बजरंग चौराहा, कांठिया मंदिर, झिरिया मंदिर, मां विजयासन कांच मंदिर सहित विभिन्न स्थानों पर स्थित शिवालयों में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा. हाथों में पूजन सामग्री लिए श्रद्धालु मंदिरों की ओर बढ़ते दिखाई दिए. भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से अभिषेक किया गया. श्रद्धालुओं ने वेलपत्र, बैर, धतूरा, गेहूं की बालियां, दूध, दही, शहद, भांग और पंचामृत अर्पित कर सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की. मंदिरों में हवन-यज्ञ और अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए.

शब्द, गान, चित्र, लय और अभिनय है एक ही संसार

▸ साहित्यिक संस्था छतनारा में संवाद सत्र

नवभारत प्रतिनिधि,

भोपाल, 15 फरवरी. कला कभी अपनी भूमि और परिवेश से दूर नहीं रहती है. महाकवि जयदेव का गीत गोविंद कलाओं में परस्परता का जीवंत उदाहरण है. यह बात प्रख्यात कला समीक्षक और संपादक विनय उपाध्याय ने साहित्यिक संस्था छतनारा के संवाद सत्र में कही.

छतनारा द्वारा आयोजित इस विशेष संवाद में विषय था कलाओं में परस्परता. कार्यक्रम में कवि निशांत उपाध्याय ने संवाद का संचालन किया. कार्यक्रम की शुरुआत में ही उन्होंने कला और संस्कृति के मानवीय महत्व को रेखांकित किया और फिर बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ. विनय उपाध्याय ने कहा कि जीवन, प्रकृति और सुंदरता का छंद ही कला है. शब्द, गान, चित्र, लय और अभिनय एक साझा संसार रचते हैं. कलाओं की साझेदारी हमारे भीतर के अनुभवों को विस्तार देती है और जीवन की जटिलताओं को उदारता में बदल देती है.

वहीं एक कला के दूसरी कला से संबंध पर उन्होंने कहा कि हर कला अनुशासन एक दूसरे में घुला हुआ है. उन्होंने महाकवि जयदेव के गीत गोविंद को काव्य, संगीत और नृत्य की त्रिवेणी बताया. साथ ही रागमाला चित्रों को उन्होंने ध्वनि का दृश्य रूप कहा जो कला के अंतर अनुशासन का उदाहरण है. संवाद के दौरान निशांत ने शब्द, ध्वनि और संगीत के संबंध पर बात रखी. उन्होंने कहा कि शब्द के शिल्प पर ध्यान देने से हम ध्वनि तक पहुंचते हैं जो संगीत की जनक है और जब लय देह में उतरती है तो वह नृत्य बन जाती है.

> कार्यक्रम में श्रोताओं के सवालों का जवाब देते हुए विनय उपाध्याय ने कहा कि कला हमेशा अपने समय और समाज से जुड़ी रहती है.उसका स्वभाव देशज होता है. उन्होंने यह भी कहा कि कलाएं ज्ञान की प्रयोगशाला हैं और नैतिक मूल्यों की संवाहक हैं. सदियों के अनुभव कला में दर्ज होते हैं. कार्यक्रम में विद्यार्थी, युवा, वरिष्ठ कलाकार और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे. संस्था की संस्थापक मोहिनी शर्मा ने विनय उपाध्याय को स्मृति चिह्न भेंट कर आभार व्यक्त किया.

कार्यालय, कृषि उपज मण्डी समिति, विदिशा (म0प्र0)

क्रमांक / मण्डी/स्टोर/25-26/3291 विदिशा, दिनांक 12/02/26

:: निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति ::

एतद द्वारा समस्त विद्युत सामग्री/स्टेशनरी सामग्री / स्टेशनरी प्रिन्टिंग सामग्री/पानी वॉटल कन्टेनर /आपूर्तिकर्ताओं एवं सुलभ शौचालय ठेकेदार से वर्ष 01/04/26 से 31/12/28 तक दो वर्ष के लिये ठेका हेतु निविदा दरें आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक आपूर्तिकर्ताओं/फर्म/व्यक्ति अपने दर प्रस्ताव दरें मौहरबन्द लिफाफे में दिनाक 06/03/2026 को 02.00 बजे तक सचिव, कृषि उपज मण्डी समिति, विदिशा के नाम प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त निविदायें दिनांक 06/03/2026 सांय 04.00 बजे तत्समय उपस्थित निविदादाताओं एवं उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

ठेका विवरण

क्र.	नाम ठेका	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अमानत राशि	ठेका समयावधि
01	कार्यालयीन उपयोग हेतु समस्त विद्युत सामग्री / उपकरण क्रय हेतु	500/-	10000	अनुबंध दिनाक से दो वर्ष
02	कार्यालयीन उपयोग हेतु समस्त स्टेशनरी सामग्री क्रय हेतु	500/-	10000	अनुबंध दिनाक से दो वर्ष
03	कार्यालयीन उपयोग हेतु स्टेशनरी प्रिन्टिंग सामग्री कार्य क्रय हेतु	500/-	10000	अनुबंध दिनाक से दो वर्ष
04	मिनरल वॉटर कन्टेंनर (20ली0) प्रदाय ठेका	500/-	5000	अनुबंध दिनाक से दो वर्ष
05	नवीन मडी प्रांगण मिर्जापुर में 02 नग एक सोराईगेट पर एवं एक मुख्य द्वार के समीप सुलभ कॉम्पलैक्स डीलक्स श्रेणी के (यथा स्थिति में) पे एण्ड यूज पद्धति से संचालन हेतु रख रखाव/पानी/विद्युत्त की व्यवस्था स्वयं के व्यय पर करनी होगी।	500/- (प्रति नग)	5000	अनुबंध दिनाक से दो वर्ष

01 समस्त ठेके सबंधी शर्तें एवं प्रदाय की जाने वाली सामग्री की सूची का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में स्टोर शाखा में देखी जा सकती हैं।
02 समस्त निविदा दाताओं को अमानत राशि एफ0डी0आर0 के रूप में देनां होगी जो सचिव कृषि उपज मण्डी समिति विदिशा के पक्ष में देय होगी।
03. समस्त निविदा दाताओं को अपनी निविदा के साथ जी.एस.टी. पंजीयन / पेन नम्बर की सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी होगी।
04 निविदा प्रपत्र निविदा आमंत्रण दिनांक के (अवकाश दिवस छोड़कर) एक दिन पूर्व तक 500/- नगद जमीं कर कार्यालय की स्टोर शाखा से प्राप्त किये जा सकते हैं।
05. सुलभ शौचालय के निविदादाता को अनुबंध के समय ठेके की समस्त राशि एक मुश्त जमा करना होगी।
06 प्रत्येक दर प्रस्तावक को अपने दर प्रस्ताव दो लिफाफा पद्धति में प्रस्तुत करना होगा प्रथम लिफाफे में अमानत राशि की एफ.डी.आर.एवं अर्हता सबधी अभिलेख प्रस्तुत करना होगा द्वितीय लिफाफे में दर प्रस्ताव रखने होगें दोनों लिफाफे मोहरबन्द किया जाना अनिवार्य है।
07 शर्त एवं नियम निविदा के साथ संलग्न होंगी।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति
विदिशा

जनजातीय संग्रहालय में थिरकी लोकधुन

भोपाल, 15 फरवरी. मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में रविवार को लोकनृत्य और लोकसंगीत की सजीव झलक देखने को मिली. संभावना गतिविधि के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में अलग अलग अंचलों की पारंपरिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक संस्कृति की गहराई से रूबरू कराया. कार्यक्रम की शुरुआत दमोह के घनश्याम पटेल और उनके साथियों ने सैरा नृत्य से की. डंडों की ताल और सामूहिक लय में सजा यह नृत्य बुंदेलखंड की उत्सव परंपरा का जीवंत चित्र बन गया. रक्षाबंधन, कजलिया, दीपावली और मकर संक्रांति जैसे पर्वों से जुड़ा यह सैरा नृत्य सामुदायिक एकजुटता और फसल उत्सव को दिखाता है.

जिसके द्वारा कलाकारों की अनुशासित पंक्तियां और तालमेल ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी. इसके बाद डिंडोरी से आई सेवती धुर्वे और उनके साथियों ने गोंड करमा नृत्य प्रस्तुत किया. प्रकृति और लोकजीवन से जुड़ी यह प्रस्तुति जनजातीय संस्कृति की सहज अभिव्यक्ति बनकर सामने आई. ढोल की थाप और पारंपरिक वेशभूषा ने वातावरण को पूरी तरह जनजातीय रंग में रंग दिया.

इतिहासविद् शंभुदयाल गुरु का निधन

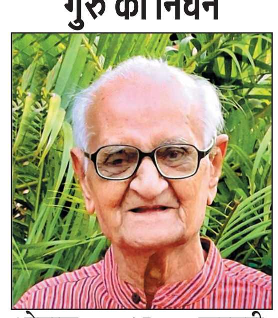

भोपाल 15 फरवरी. इतिहासविद् तथा गजेटियर एवं पुरातत्व विभाग के पूर्व संचालक शंभुदयाल गुरु का रविवार को निधन हो गया. वे 96 वर्ष के थे. दोपहर बाद भदभदा विश्राम घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया.

कांवड़ यात्रा निकाली

सिलवानी. महाशिवरात्रि पर्व पर ग्राम उचेरा जमुनिया में कांवड़ यात्रा निकाली गई. कांवड़ियों ने भगवान शिव का अभिषेक किया. पवित्र नर्मदा नदी से जल भर कर आए कांवड़ियों ने ग्राम के सिद्ध श्री हनुमान मंदिर परिसर में स्थित भगवान शिव की प्रतिमा का जलाभिषेक किया. कांवड़ यात्रा में 250 से अधिक युवा शामिल हुए.

भोपाल से उज्जैन के लिए 23 तक अनारक्षित मेला ट्रेन

भोपाल, 15 फरवरी. रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और मेला के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उज्जैन के लिए संत हिरदाराम नगर से 02 जोड़ी और भोपाल से 01 जोड़ी अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है. यह अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 12 कोच की होगी.

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि मेला के दौरान अतिरिक्त यात्रीभार को क्लीयर करने के ऊदेश्य से स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है. रेल यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे मेला स्पेशल ट्रेनों की विस्तृत जानकारी ऑनलाइन वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं.

उज्जैन-भोपाल-उज्जैन अनारक्षित स्पेशल

गाड़ी संख्या 09307 उज्जैन-भोपाल स्पेशल भी 13 फरवरी से 22 फरवरी तक प्रतिदिन 21.00 बजे उज्जैन से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 01.48 बजे संत हिरदाराम नगर आगमन कर 02.10 बजे भोपाल पहुँचेगी. इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09308 भोपाल-उज्जैन स्पेशल 23 फरवरी तक प्रतिदिन 03.10 बजे भोपाल से प्रस्थान करेगी और 03.35 बजे संत हिरदाराम नगर आगमन कर 08.00 बजे उज्जैन पहुँचेगी. इसका ठहराव भी निर्धारित स्टेशनों पर रहेगा.

स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है

गाड़ी संख्या 09305 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर स्पेशल 13 फरवरी से प्रारंभ हुई है और 22 फरवरी तक प्रतिदिन 09.00 बजे उज्जैन से प्रस्थान करेगी और 13.30 बजे संत हिरदाराम नगर पहुँचेगी. इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09306 संत हिरदाराम नगर-उज्जैन स्पेशल भी 22 फरवरी तक प्रतिदिन 14.30 बजे संत हिरदाराम नगर से प्रस्थान करेगी और 19.30 बजे उज्जैन पहुँचेगी. यह ट्रेन तराना रोड, मक्सी, बेरछा, काली सिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल और सीहोर स्टेशन पर रुकेगी.

उज्जैन-संत हिरदाराम नगर-उज्जैन अनारक्षित स्पेशल (प्रतिदिन)-

गाड़ी संख्या 09313 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर स्पेशल 13 फरवरी से प्रारंभ होकर 22 फरवरी तक प्रतिदिन 16.00 बजे उज्जैन से प्रस्थान करेगी और 21.40 बजे संत हिरदाराम नगर पहुँचेगी. इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09314 संत हिरदाराम नगर-उज्जैन स्पेशल भी 22 फरवरी तक प्रतिदिन 22.30 बजे संत हिरदाराम नगर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 02.00 बजे उज्जैन पहुँचेगी. इसका ठहराव तराना रोड, मक्सी, बेरछा, काली सिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल एवं सीहोर स्टेशन पर रहेगा.

कार्यालय कलेक्टर, जिला शाजापुर म.प्र.

फोन- (07364) 226500 (ऑफिस), 228600 (घर) ई-मेल: dmshajapur@mp.nic.in

क्रमांक/भू-अर्जन/2026/18-19 **शाजापुर, दिनांक 4/2/2026**

सार्वजनिक सूचना

मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग की आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति की अधिसूचना क्रमांक/एफ 12.2.2014, सात-2-ए, दिनांक 12/11/2014 के अंतर्गत राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को सार्वजनिक मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग की आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति की अधिसूचना क्रमांक प्रयोजन हेतु निर्माण की जाने वाली अधोसंरचनाओं के लिए समय-समय पर निजी भूमि की आवश्यकता होती है. इस नीति के अंतर्गत कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग शाजापुर का पत्र क्रमांक 1526/तक/2025-26 शाजापुर दिनांक 19/1/2026 द्वारा दिए गए प्रस्ताव अनुसार लोक निर्माण विभाग की परियोजना- जिला शाजापुर में अरनियाकलां को कोठडीकलां मार्ग निर्माण में आ रही ग्राम अलीसरिया तहसील कालापीपल के कृषकों की निजी भूमि की राज्य सरकार को आवश्यकता है. भूमि का भूमि स्वामी/ भूमि स्वामियों द्वारा नीति की कंडिका 10 के अंतर्गत उनकी भूमि अर्जन हेतु निर्धारित प्रारूप 'ख' में विवरण निम्नानुसार है तथा इसके सहमति प्रस्तुत कर दी है. आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति की कंडिका 11 (1) के अंतर्गत अर्जित की जा रही भूमि विभाग के पक्ष में क्रय किए जाने पर विचार किया जा रहा है. यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह सार्वजनिक सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अवकाश को दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है. नियत अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों को न तो स्वीकार किया जावेगा और न ही उस पर किसी प्रकार का विचार किया जावेगा.

अर्जन की जाने वाली भूमि का विवरण निम्नानुसार है :-

स.क्र.	प्रस्ताव का स.क्र.	भूमि स्वामी का नाम	आपसी सहमति से क्रय नीति के तहत अर्जित की जाने वाली भूमि का विवरण: ग्राम का नाम जहां भूमि स्थित है	तहसील का नाम	भूमि सर्वे क्रमांक	भूमि का कुल रकबा	अर्जित की जाने वाली भूमि का रकबा: सिंचित	असिंचित	योग	अर्जन के लिए प्रस्तावित भूमि पर स्थित परिसंपत्तियां
1.	1	कन्हैयालाल पिता रामरतन हि. 1/2, माया बाई पिता कन्हैयालाल हि. 1/2 जाति कुम्हार पता- अलीसरिया कालापीपल शाजापुर म.प्र.	अलीसरिया	कालापीपल	1162/1/3	0.040	0.0160	0.00	0.0160	निरंक
2.	2	सुनील कुमार पिता बाबूलाल हि. 1/5, अरुण धमेला पिता बाबूलाल हि. 1/5, मानू बाई वेबा बाबूलाल हि. 1/5, हेमलता पिता बाबूलाल हि. 1/5, रीना पिता बाबूलाल हि. 1/5 जाति कुम्हार पता अलीसरिया कालापीपल शाजापुर म.प्र.	अलीसरिया	कालापीपल	1162/2	0.582	0.0170	0.00	0.0170	निरंक
3.	3	भेरूलाल पिता रामरतन जाति कुम्हार पता अलीसरिया कालापीपल शाजापुर म.प्र.	अलीसरिया	कालापीपल	1162/3	0.039	0.0160	0.00	0.0160	निरंक
4.	4	लखनलाल पिता जगन्नाथ सिंह जाति कुम्हार पता अलीसरिया कालापीपल शाजापुर म.प्र.	अलीसरिया	कालापीपल	1162/4/1	0.124	0.0080	0.00	0.0080	निरंक
5.	5	जितेन्द्र कुमार पिता जगन्नाथ सिंह जाति कुम्हार पता अलीसरिया कालापीपल शाजापुर म.प्र.	अलीसरिया	कालापीपल	1162/4/2	0.125	0.0080	0.00	0.0080	निरंक
		योग							0.065	

G25822/25 **कलेक्टर, जिला शाजापुर**